मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–006

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.वी.एस.-006 : वेदाध्ययन परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।*

भाग—क

नोट *— किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* $3 \times 20 = 60$

1. वेदों की नित्यता एवं मीमांसा के अनुसार वेदों के अपौरुषेयत्व पर विस्तृत वर्णन कीजिए।
2. धर्म के प्रमुख **तीन** लक्षणों सहित उनकी व्याख्या कीजिए।

3. स्कन्दस्वामी की भाष्य पद्धति पर विवेचन कीजिए।

4. वेदाङ्गों में वर्णित शिक्षाशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

5. उत्पत्ति विधि एवं विनियोग विधि में क्या अन्तर है ? उदाहरण सहित लिखिए।

6. प्रकरण के भेदों को दर्शाते हुए विस्तृत विवेचन कीजिए।

भाग—ख

नोट—*किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* $4 \times 10 = 40$

1. किन्हीं दो भारतीय वेद भाष्यकारों पर विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. शतपथ ब्राह्मण का सारांश लिखिए।

3. व्याकरणशास्त्र के पाँच प्रयोजन कौन-कौन-से हैं ? वर्णन कीजिए।

4. जप के कितने प्रकार हैं ? विवेचन कीजिए।

5. ब्राह्मण ग्रन्थों के प्रमुख प्रतिपाद्य विषयों पर निबन्ध लिखिए।

6. कल्प साहित्य एवं उसकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

7. मधुसूदन ओझा का जीवन परिचय लिखिए।

× × × × ×